आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 16.11.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस है– उप–राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने कहा कि प्रेस एक जीवंत लोकतंत्र की रीढ़ के रूप में कार्य करता है।
- जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राज्य मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल ने कहा कि सरकार आदिवासी समुदाय और अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है ।
- मुख्य सचिव ने आदिवासी संस्कृति का सम्मान करने, उनके सशक्तिकरण और कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।
- अंडमान और निकोबार कमान की ओर से अड़तीसवीं इंडो–थाई कॉर्पेट का आयोजन किया गया।
- अंडमान निकोबार पुलिस की महिला पाइप बैंड पच्चीसवीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता में भाग ले रही है।

<><><><><><><><>

आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस है। इस अवसर पर अपने संदेश में उप–राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने द्वीपसमूह के लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी मीडियाकर्मियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। यह दिन उन्नीस सौ छियासठ में भारतीय प्रेस परिषद स्थापना का भी प्रतीक है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रेस ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करे। उप–राज्यपाल ने कहा कि प्रेस एक जीवंत लोकतंत्र की रीढ़ के रूप में कार्य करता है। इस वर्ष "राष्ट्रीय प्रेस दिवस" का विषय है "प्रेस की बदलती प्रकृति"। राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारत में एक स्वतंत्र प्रेस के महत्व को उजागर करने के लिए मनाया जाता है और लोकतंत्र को मजबूत करने और सद्भाव को बढ़ावा देने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में मीडिया में बहुत परिवर्तन आया है। सोशल मीडिया, ब्लॉग और पॉडकास्ट के अलावा डिजिटल प्लेटफॉर्म ने समाचारों को लोगों तक पहुंचाया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपात स्थितियों के दौरान समाचारों के प्रसार में अपना योगदान दिया है। प्रेस सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में भी अपनी भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, ए आई मीडिया परिदृश्य

को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर रहा है। उप–राज्यपाल ने मीडियाकर्मियों से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देने का आह्वान किया है।

<><><><><><><>

कल पूरे देश के साथ द्वीपसमूह में भी जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डीब्रेट के सम्मेलन हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर द्वीपसमूह के सांसद बिष्णु पद रे, मुख्य सचिव श्री केशव चंद्रा, आदिवासी कल्याण सचिव अर्जुन शर्मा, आदिवासी कल्याण निदेशक डॉ. सत्येंद्र सिंह दुरसावत, जनजातीय कल्याण के अधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार और ओन्गी, अंडमानिस एवं निकोबारी जनजातियों के जनजातीय प्रतिनिधि तथा अन्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर बिहार के जमुई से जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से आदिवासी समुदायों की भलाई के लिए कार्य किए जा रहे है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना की शुरुआत की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी लाभ, बिना किसी हस्तक्षेप के सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी नागरिकों, विशेष रूप से आदिवासी समुदाय और अंतिम छोर पर रहने वालों के कल्याण और उत्थान के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई है। इस अवसर पर सांसद बिष्णु पद रे ने जनजातीय दिवस के अवसर पर आदिवासी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोगों के लाभ के लिए सी आई ए आर आई सहित मत्स्य पालन, पशुपालन जैसे क्षेत्रों में विभिन्न विकास और पहल शुरू की जा रही हैं, जो द्वीप को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासी संस्कृति का सम्मान करना और उनके सशक्तिकरण और कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि द्वीपसमूह में आदिवासी समुदायों, विशेष रूप से पी वी टी जी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण तक उनकी पहुँच का विस्तार करके, उनके जीवन की गुणवत्ता को ऊपर उठाने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

<><><><><><><>

अंडमान और निकोबार कमान की ओर से अड़तीसवीं इंडो–थाई कॉर्पेट का आयोजन किया गया। भारत और थाईलैंड के बीच समुद्री संबंधों को मजबूत करने के लिए इंडो–थाई कॉर्पेट दो

हजार पांच से हर दो वर्षों में एक बार आयोजित किया जाता रहा है, जो क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए दोनों देशों की स्थायी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह साझेदारी हिंद महासागर में शांति और स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें रॉयल थाई नौसेना के एचटीएमएस क्राबी ने भाग ले रही है। दोनों राष्ट्रों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए, आई एन एस करमुक और एल 55 के कर्मियों ने विभिन्न सत्रों में भी भाग लिया। कॉर्पेट के तहत सागर विज़न का उद्देश्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों, समन्वित गश्त और मानवीय सहायता के माध्यम से क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को बढ़ाना है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की महिला पाइप बैंड नागालैंड के दीमापुर के शोकुवी में आज से आयोजित होने वाले पच्चीसवीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता में भाग ले रही है। इस प्रतियोगिता में यह बैंड द्वीपसमूह की भावना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। वर्ष दो हजार चौदह में गठित महिला पाइप बैंड की शुरूआत में सत्ताईस स्वयंसेवी महिला पुलिसकर्मी शामिल थीं। पिछले कुछ वर्षों में, कमान के लगातार मार्गदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से यह बैंड और विकसित हुआ है। दो हजार चौबीस में, इस बैंड को प्रथम गोरखा राइफल्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया और इस बैंड ने चौदह धुनों में महारत हासिल की है। यह प्रतियोगिता बाईस नवम्बर तक चलेगी।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह–दो हजार चौबीस मनाया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा निदेशालय के कार्यालय प्रमुख ज्ञान शील दुबे ने किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने पढ़ने के महत्व और ज्ञान को बढ़ावा देने में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को प्रदर्शनी देखने के लिए प्रोत्साहित किया। पुस्तक सप्ताह का उद्देश्य पुस्तक प्रेमियों, शिक्षकों और समुदाय को एक साथ लाना है, ताकि बच्चों और वयस्कों में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा दिया जा सके। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा राज्य पुस्तकालय में 'पुस्तक प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उपन्यास, बाल साहित्य, व्यक्तित्व विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं, जीवनी, पाककला, पौराणिक कथाओं, फंतासी, विज्ञान कथाओं के अलावा द्वीपसमूह के इतिहास जैसी पुस्तकें प्रदर्शित की जा रही हैं। राज्य पुस्तकालय में राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आठ सौ पचास से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं। बीस

नवंबर तक चलने वाले पुस्तक प्रदर्शनी श्री विजयापुरम के राज्य पुस्तकालय में आम जनता के लिए खुली रहेगी। इस अवसर पर उप निदेशक शिक्षा (पर्ल) एम वी जॉली, उप–निदेशक शिक्षा पब्लिक एस सुरेश कुमार, उप निदेशक शिक्षा विज्ञान, राम प्रवेश, शिक्षा विभाग के अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे। पुस्तक प्रदर्शनी के अलावा राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के दौरान राज्य पुस्तकालय में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली छात्रों के लिए भाषण, चित्रकारी, कहानी सुनाना, और पुस्तक पढ़ने की प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे ।

<><><><><><><>

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के दो वर्षीय डिग्री कार्यक्रम में जूलॉजी और भूगोल में एक–एक सीट रिक्त हैं। रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए परामर्श आज लिया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों से सुबह साढ़े नौ बजे परामर्श के लिए कॉलेज के सम्मेलन दीर्घा में उपस्थित होने को कहा गया हैं।

<><><><><><><>